No. of Printed Pages : 3

MHD-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. दलित साहित्य का आशय स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य आन्दोलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 10

2. दलित साहित्य के प्रयोजन एवं सरोकारों की विवेचना कीजिए। 10

3. जाति-प्रथा के उन्मूलन के लिए डॉ. अम्बेडकर द्वारा सुझाए गए विचारों को रेखांकित करते हुए अपना मन्तव्य स्पष्ट कीजिए। 10

4. अछूतानन्द के सामाजिक सुधार आन्दोलन पर प्रकाश डालिए। 10

5. 'अछूत की शिकायत' कविता में अभिव्यक्त दलित चेतना के पहलुओं को स्पष्ट कीजिए। 10

6. दलित विमर्श की वैचारिकी और प्रेमचन्द की दलित चेतना के अन्त:सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए। 10

7. पेरियार के धार्मिक विचारों पर टिप्पणी कीजिए। 10

8. " 'हिन्दू कोड बिल' भारतीय हिन्दू स्त्री के प्रगति और उसके अधिकार का संवैधानिक कानून है।" विवेचना कीजिए। 10

9. दलित साहित्य आन्दोलन के समकालीन परिदृश्य पर विचार कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) निराला के दलित पात्र

(ख) दलित साहित्य की अवधारणा

(ग) सत्यशोधक समाज

(घ) डॉ. अम्बेडकर का नारी चिन्तन